Vindhyan Bloom

ISSN-2319-8478
Vol-15 Issue-3, June 2026

A Referred Peer Review Research Journal

Vindhyan Bloom

ISSN-2319-8478 Vol-15 Issue-3, June 2026

Manuscript Information	*Research Paper*	*Paper No. VBRP-22*

मध्य प्रदेश के कटनी जिले में रीठी क्षेत्र की उमरडोलीआर्द्रभूमिकी भूमिका

दशरथ प्रसाद, *शोधछात्र, भूगोल विभाग, प्राधनमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शास.माधव महाविद्यालय उज्जैन*

सारांश- आर्द्रभूमिभूमि और जैव विविधता के बीच संतुलन बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, आर्द्रभूमि ऐसा स्थान होते हैं जहाँ पानी हमेंशा भर रहता है। इनमें दलदल भूमि, तालाब,झीलें या नदीयाँ। ये पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ये जल शोधन और बाढ़ नियत्रंण में मदद करती हैं। इनका निर्माण प्रकृति एवं मानव द्वारा का निर्माण होता है। ये जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण तथा स्थानीय आजीविका में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। एक विशिष्ट प्रकार का परिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण होता हैं, कई खाद्य श्रृंखलाएँ शामिल होती हैं, अध्ययन से स्पष्ट होता है कि आर्द्रभूमियाँ न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखती हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी स्थिरता प्रदान करती हैं। वर्तमान समय में अतिक्रमण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ इन आर्द्रभूमियों के अस्तित्व के लिए चुनौती बन रही हैं। अतः इनके संरक्षण और सतत प्रबंधन की आवश्यकता है।

मुख्य शब्द:जैव विविधता, जल संरक्षण, स्थानीय आजीविका, खाद्य श्रृंखलाएं

प्रस्तावना - आर्द्रभूमि का निर्माण प्रकृति एवं मानव द्वारा के द्वारा होता है यह ऐसा क्षेत्र हे जहाँ भूमि लंबे समय तक जल से संतृप्त (भरी) रहती है। इसमें तालाब, झील, दलदली क्षेत्र, नदी तट एवं मौसमी जलभराव क्षेत्र सम्मिलित होते हैं। आर्द्रभूमियाँ प्राकृतिक संसाधनों का महत्वपूर्ण अंग हैं तथा मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।जब ग्रीष्मकाल में अधिकांश क्षेत्रों में जल स्तर कम हो जाता है,तों आर्द्रभूमि मुख्य सहारा बनती हैं उन्हें के रूप में सहयोग प्रदान कारती हैं सभी प्रकार के छोटे - बडे जीवों का परिस्थितिकी तत्रं का निर्माण होता है, मानव भी परिस्थितिकी की क्रियाकलाप में शामिल रहता है। कटनी जिले का रीठी क्षेत्र मुख्यतः ग्रामीण एवं कृषि आधारित क्षेत्र है। यहाँ वर्षा पर निर्भर कृषि प्रणाली वियमान है, जिसके कारण जल संरक्षण का विशेष महत्व है। इस क्षेत्र में स्थित पारंपरिक तालाब एवंजलाशय ग्रामीण

ISSN-2319-8478
Vol-15 Issue-3, June 2026

समाज के लिए जल स्रोत के रूप में कार्य करते हैं। जंगल के बीच में स्थिति आर्द्रभूमियाँ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित करती हैं। हर वेटलैंड से, हर साल के सूखे और गीले मौसम के अलग-अलग समय में, कम से कम तीन पानी के नमूने इकट्ठा किए गए। अध्ययन क्षेत्र में, मार्च, अप्रैल और मई महीनों में पूरी तरह से बारिश नहीं होती है। आर्द्रभूमियाँ ही सदा उपयोग में आती है।

साहित्य समीक्षा

मोनिका कुमारी, (2023)[1]:- मुख्य उद्देश्य नहर के पानी से पोषक तत्वों, निलंबित ठोस पदार्थों और अन्य भौतिक-रासायनिक मापदंडों को कम करना, तथा एक निष्क्रिय, पर्यावरण-अनुकूल और कम लागत वाली तकनीक का उपयोग करके द्वितीयक रूप से उपचारित सीवेज के पानी का शोधन करना था। इस मेसोकोस्म-स्तरीय अध्ययन से यह पाया गया है कि पारंपरिक उपचार विधियों के साथ-साथ FCWs(फ्लोटिंग कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड्स) का उपयोग करके नहर के पानी का शुद्धिकरण किया जा सकता है। नहर के पानी के शुद्धिकरण के लिए FCWsको फ्लोक्यूलेंट (थक्का जमाने वाले पदार्थ) पोटेशियम एल्यूमीनियम सल्फेट के साथ मिलाकर उपयोग करना एक बेहतर विकल्प हैं ।

जान अफरीन (2019)[3]:-वेटलैंड्स (आर्द्रभूमियाँ) प्राकृतिक इकोसिस्टम का एक अनोखा उदाहरण हैं, जिनमें पृथ्वी के 20-30 कार्बन को सोखने की क्षमता होती है, जो लगभग 2500Pg के बराबर है भौगोलिक क्षेत्रों में स्थित दो वेटलैंड (आर्द्रभूमि) कार्बन, नाइट्रोजन और फास्फोरस के विशाल भंडार के रूप में काम करते हैं, और उनका हर घटक इन तत्वों की काफी मात्रा अपने अंदर जमा करता है। हालाँकि, तुलना करने पर, होकरसर वेटलैंड की भंडारण क्षमता C और N के मामले में ज्यादा थी, जबकि रोपड़ वेटलैंड की मिट्टी में को जमा करने की क्षमता ज्यादा थी। यह अंतर इन वेटलैंड्स की प्रजातियों की बनावट, विविधता, मौसमी बदलाव के पैटर्न, अलग-अलग जलवायु परिस्थितियों और पोषक तत्वों के इनपुट, जमाव और आउटपुट की अलग-अलग क्षमताओं के कारण हो सकता है।

प्रजापति (2017)[4]Azolla filiculoides, Lemna minor Lactuca sativa Phragmites australisऔर Pistia stratiotes के साथ एक तुलनात्मक अध्ययन किया। दो पौधों की प्रजातियों P- stratiotesऔर खाने योग्य पौधा Lactuca sativa—usपोषक तत्वों, कार्बनिक पदार्थों, NH4 और TN को हटाने में अपेक्षाकृत अधिक दक्षता दिखाई। मुक्त रूप से तैरने वाले जलीय पौधों(hydrophyte), जल से ऊपर निकले बड़े पौधों (emergent macrophytes), कंट्रोल और खाने योग्य पौधों द्वारा फॉस्फेट हटाने का प्रतिशत क्रमशः 23, 10, 15 था।

अध्ययन क्षेत्र- मध्य प्रदेश के पूर्व में कटनी जिला स्थिति हैं जिले की भौगोलिक स्थिति का विस्तार 23^0 37‘ से 24^0 28‘ उत्तरी

ISSN-2319-8478
Vol-15 Issue-3, June 2026

अक्षांश तथा 79^0 57' से $80^0$58' पूर्वी देशांतर, कटनी जिले से कर्क रेखा हो कर गुजरती है, जिले का कुल क्षेत्रफल 4949.59 वर्ग किलोमीटर है। रीठी तहसील स्थित हैं। रीठी के चरगमा में उमरडोली बांध स्थित हैं रीठी तहसील का कुल क्षेत्रफल 510.35 वर्ग किमी.मे फैला हुआ हैं विध्य क्षेत्र में शामिल हैं[2] भूगर्भिक संरचनाः- भूगर्भिक संरचना की दृष्टि से संपूर्ण कटनी जिले के विस्तृत भू-भाग की रॉक प्रीकैम्ब्रियन समय एक नर्मदा क्षेत्र से लेकर विंध्य की पहाडियों तक फैली है जिसमें अवसादी चट्टानें मौजूद हैं,जिसके ऊपर कहीं-कहीं दक्कन बेसाल्ट आग्नेय चट्टानें भी हैं।यह क्षेत्र मुख्यतः लहरदार है, छोटी-छोटी कुछ पहाड़ियाँ हैं मध्यम ऊंचाई. ये पहाड़ियाँ या तो डोलोमाइट, बलुआ पत्थर या शेल की हैं असर संरचनाएं. इन संरचनाओं की विशेषता विभिन्न मेसा है, बट्टे और क्यूस्टा संरचनाएँ। भू-आकृति विज्ञान की दृष्टि से इस क्षेत्र में छोटी-छोटी पहाड़ियाँ है।

उद्देश्यः

1. अध्ययन क्षेत्र में पर्यावरण में संतुलन में सहयोग ।
2. अध्ययन क्षेत्र में जैव- विविधताओं एवं परिस्थितिकीय तंत्र की

विधि- कटनी जिला की रीठी तहसील में स्थित आर्द्रभूमि का भ्रमण एवंअवलोकन करके अध्ययन किया गया हैं, द्वितीय आंकडों के रूप में कटनी जिला की रिपोर्ट का उपयोग किया गया हैं।

रीठी क्षेत्र में आर्द्रभूम-

उमरडोली बांधः- यह मानव निर्मित आर्द्रभूमि की भूमिका के क्रेंद्र के रूप विकसित हो रहा हैं 100 साल अधिक पुराना उमरडोली बांध पत्थरों से बना है उमरडोली बांध की इंजीनियरिंग का 10 साल की कड़ी मेहनत और पत्थरों को तराशकर बनाया गया था। रीठी तहसील के बकलेहटा और चरगावां गांवों के बीच दो पहाड़ों को जोड़कर बनाए गए बोरीना जलाशय का निर्माण साल 1914 में शुरू हुआ था। पहाड़ों के पत्थरों को काटकर और तराशकर बांध,1520 फीट लंबे और 74 फीट ऊंचे जलाशय की कारीगरी और प्राकृतिक दृश्य है जंगल के मध्य में स्थित छोटा तालाब और बडा तालाब बांध के चारो ओरएक विशिष्ट प्रकार का परिस्थितिकीय तंत्र है। जैव-विविधताओं, वनस्पतियों की प्रचुरता होने से आर्द्रभूमि समृद्ध पारिस्थतिकीय तत्रं है।[5]

Vindhyan Bloom
ISSN-2319-8478
Vol-15 Issue-3, June 2026





भूमिका-

पर्यावरण एक विशिष्ट प्रकार का परिस्थितिकीय तंत्र हैं तथा जैव-विविधताओं का मिलन स्थल होने के कारण यहाँ वन्य प्राणी प्रजातियों व वनस्पतियों की प्रचुरता होने से आर्द्रभूमि समृद्ध पारिस्थतिकीय तत्रं है। आर्द्रभूमि को बायोलॉजिकल सुपर मार्केट कहा जाता हैं क्योकि यें विस्तृत भोज्य-जाल का निर्माण करते हैं

तालिका क्र. 1

उमरडोली (आर्द्रभूमि) सर्वे रिपोर्ट

क्र.	जीव जन्तु	वनस्पति
1	वैक्टीरिया	मैग्रोव वन
2	कीट,केंचुआ,घोघ अन्य	बाँस,जामुन अन्य वृक्ष
3	मेढक,मछलियाँ, सरीसृप अन्य	बबूल,खजूर कंटीली झाडियाँ
4	लोमडियाँ,मानव, पक्षी, शिकारी जीव,	-

ISSN-2319-8478
Vol-15 Issue-3, June 2026

अध्ययन क्षेत्र में दो दिवस का सर्वे एवं अवलोक कार्य किया गया था । आर्द्रभूमि से मुख्य क्रेन्द्र मानकर दूर के साथ -साथ जीवों एवं वनस्पतियाँ परिवर्तन होती हैं जो कि तालिका क्र. 1 में अध्ययन किया गया है। भोज्य-जाल यानी कई खाद्य श्रृंखलाएँ शामिल होती हैं और ऐसा माना जाता हैं कि फूड- वेब्स परिस्थिति तत्रं में जीवों के खाद्य व्यवहारों का वास्तविक प्रतिनिधित्व करते हैं

जीव - उमरडोली बांध जंगल के मध्य में स्थित छोटा तालाब और बडा तालाब विभिन्न प्रकार के जीव पाए जाते हैं हिरण,नीलगाय, जंगली सूअर, छोटे- छोटे पक्षी जीव,पानी में पाए जाने वाले जीव लगभग सभी प्रकार के जीव पाए जातें है।

जल संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण - आर्द्रभूमियाँ वर्षा जल को संचित कर भूजल स्तर को बनाए रखने में सहायक होती हैं। रीठी क्षेत्र में तालाबों एवं जलाशयों के कारण कुओं और हैंडपंपों में जल उपलब्ध रहता है। इससे गर्मियों में जल संकट कम होता है।

कृषि विकास में योगदान रीठी क्षेत्र कृषि प्रधान होने के कारण आर्द्रभूमियों का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। ये भूमि में नमी बनाए रखती हैं, जिससे गेहूँ, धान, चना एवं दलहन फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होती है। सूखे की स्थिति में तालाब सिंचाई के वैकल्पिक स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।[7]

जैव विविधता संरक्षण- आर्द्रभूमियाँ अनेक जलीय जीवों, मछलियों,पक्षियों तथा वनस्पतियों का प्राकृतिक आवास हैं। रीठी क्षेत्र के तालाबों में विभिन्न प्रकार की मछलियाँ एवं प्रवासी पक्षी पाए जाते हैं। इससे स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित रहता है।

बाढ़ नियंत्रण- अधिक वर्षा के समय आर्द्रभूमियाँ अतिरिक्त जल को अपने भीतर संचित कर बाढ़ की तीव्रता को कम करती हैं। इससे खेतों एवं ग्रामीण बस्तियों को नुकसान कम होता है।

जलवायु संतुलन -आर्द्रभूमियाँ वातावरण में आर्द्रता बनाए रखती हैं तथा कार्बन अवशोषण में सहायक होती हैं। इससे स्थानीय तापमान नियंत्रित रहता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम है।

सुरक्षा- रामसर समझौता भारत में फरवरी 1982 आर्द्रभूमि के सरक्षण से संबधित हैं ऐसे स्थान जहाँ वर्ष भर पानी भरा हो तथा 200 से अधिक जीव वाले स्थान को शामिल किया गया है।

आर्थिक एवं सामाजिक परिदृश- उमरडोली बांध एक प्रकृति दृश्य क्रेन्द्र है,हर वर्ष हजारों लोग प्रकृति सौन्दर्य दृश्य देखनें आते हैं विभिन्न प्रकार के जीव को भी देखने को मिलता हैं। ग्रामीण अर्थब्यवस्था का केन्द्र के रूप में विकसित हआ है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- कुमारी, मोनिका (2023) विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर, (राजस्थान)- भारत के हरियाण

ISSN-2319-8478
Vol-15 Issue-3, June 2026

राज्य के रेवारी जिले में नहर के जल की गुणवत्ता पर तैरते (निर्मित),शोध प्रबंध पृ,149

- कटनी जिलें की रिपोर्ट
- जान अफरीन (2019) पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ -भारत की **समशीतोष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय आर्द्रभूमियों के मैक्रोफाइट्स में कार्बन पृथक्करण और पोषक** तत्वों का संचय, शोध प्रबंध पृ,154
- प्रजापति, (2017). **अपशिष्ट जल** उपचार के लिए एक तैरती हुई **आर्द्रभूमि में मैक्रोफाइट्स द्वारा प्रदूषक हटाने की प्रभावशीलता का** आकलन। . **शोध प्रबंध** Applied Water Science74801–4809
- सर्वे,भ्रमण रिपोर्ट 2026
- https://doi-org/10-1007/s13201&017&0625&2
- https://katni.nic.in/tourist-place